1959-61 (*September* 1960—*August* 1661)

(In bales of 400 lbs. each)

Date of Release	Bengal Deshi	Cotton Stapling 23/32" and below	Cottons Stapling 3/4" and below
9-12-1960	50,000	..	..
14-2-1960	50,000	..	..
12-4-1961	60,000	..	..
5-5-1961	..	50,000	..
27-7-1961	30,000	..	30,000
TOTAL .	190,000	50,000	30,000
GRAND TOTAL	2,70,000 bales.		

(c) and (d) During the 1960-61 season the Gujarat Government had requested that short staple cottons may be allowed to be exported. After assessing the net available surplus, an export quota was released. Government had no information about the actual requirements of foreign buyers at any particular time. Announcements regarding exports could, however, be made only after a careful review of the cotton position in the country.

वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में हिन्दी न जानने वाले कर्मचारी

३५३. **श्रीमती शान्ति देवी :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मन्त्रालय में ३० जून १९६१ को प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी में अलग-अलग कितने कर्मचारी थे जो हिन्दी नहीं जानते थे; और

(ख) क्या मन्त्रालय ने उन्हें हिन्दी सिखाने के लिये कोई रोस्टर तैयार किया है और यदि हां, तो उस रोस्टर के अनुसार हिन्दी सिखाने का कार्य कब तक पूरा होने की आशा है ?

t[NON-HINDI-KNOWING STAFF IN E.A. MINISTRY

353. SHRIMATI SHANTI DEVI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of Class I, Class II and Class III staff separately in the Ministry of External Affairs as on the 30th June, 1961, who did not know Hindi; and

(b) whether the Ministry has prepared a roster for teaching Hindi to them and if so, by what time the teaching work is likely to be completed according to that roster?]

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) और (ख) सूचना इकट्ठी की जा रही है और यथा-सम्भव शीघ्र ही सदन की मेज पर रख दी जायगी ।

t[THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) and (b) The information is being collected and will be laid on the Table of the House as early as possible.]

हिन्दी न जानने वाले कर्मचारी

३५४. **श्रीमती शान्ति देवी :** क्या **पुनर्वास तथा अल्पसंख्यक-कार्य** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मन्त्रालय में ३० जून १९६१ को प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी में अलग अलग कितने कर्मचारी थे जो हिन्दी नहीं जानते थे; और

(ख) क्या मन्त्रालय ने इन्हें हिन्दी सिखाने के लिये कोई रोस्टर तैयार किया है

f[ ] English iswnslation.

और यदि हां, तो उस रोस्टर के अनुसार हिन्दी सिखाने का कार्य कब तक पूरा होने की आशा है ?

t [NON-HINDI-KNOWING STAFF

354. SHRIMATI SHANTI DEVI: Will the Minister of REHABILITATION AND MINORITY AFFAIRS be pleased to state;

(a) the number of Class I, Class II and Class III staff separately in his Ministry on the 30th June, 1961, who did not know Hindi; and

(b) whether the Ministry has prepared a roster for teaching Hindi to then? and if so, by what time teaching work is likely to be completed according to that roster?]

पुनर्वास तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) :

(क) प्रथम श्रेणी . . ११
द्वितीय श्रेणी . . ७९
तृतीय श्रेणी . . ११२

(ख) जी हां । इस मन्त्रालय में जो रोस्टर बनाया हुआ है उसके अनुसार हिन्दी सिखाने का कार्य सम्भवत: ३१ मार्च, १९६४ तक पूर्ण हो जायेगा ।

t[THE MINISTER OF REHABILITATION AND MINORITY AFFAIRS (SHRI MEHR CHAND KHANNA):

(a) Class I ..11
Class II ..79
Class III .. 112

Ob) Yes. According to the roster maintained in this Ministry, the teaching work is likely to be completed by 31st March, 1964.]

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय में प्राप्त हिन्दी पत्र

३५५. **श्री किशोरी राम :** क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन के मंत्रालय में १९६१ की दूसरी तिमाही में हिन्दी में कितने पत्र प्राप्त हुए ;

(ख) उन में से कितने पत्रों का उत्तर (१) हिन्दी में और (२) अंग्रेज़ी में दिया गया ; और

(ग) उपरोक्त भाग (ख) (२) में उल्लिखित पत्रों के उत्तर हिन्दी में न भेजने के क्या कारण हैं ?

t [HINDI COMMUNICATIONS RECEIVED IN I. & B. MINISTRY

355. SHRI KISHORI RAM: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) the number of communications in Hindi which were received in his Ministry during the second quarter of the year 1961;

(b) the number of those communications which were replied to (i) in Hindi and (ii) in English; and

(c) what are the reasons for not sending replies in Hindi to the communications referred to at part (b) (ii) above?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्री (डा० बी० बी० केसकर) : (क) ६३ ।

(ख) (१) २० ।

(२) ९ ।

(ग) इन में से पांच छुट्टी की मंजूरी के कार्यालय-निर्देश थे, जो आम तौर पर अंग्रेज़ी में जारी किये जाते हैं, क्योंकि वे बिल बनाने और सर्विस रिकार्ड के रखने के लिये इस्तेमाल किये जाते हैं । बाकी चार उत्तर अंग्रेज़ी में जारी किये गये क्योंकि सम्बन्धित अनुभाग में कार्य करने वाले

f[ ] English translation.